सूरह अन-नम्ल के साथ क्षण

सूरह अन-नम्ल और सुलैमान (अलैहिस्सलाम) की कहानी के साथ चिंतन के क्षण

सूरह अन-नम्ल सुलैमान (अलैहिस्सलाम) की कहानी के मंज़र पेश करती है: वह इल्म जिससे पक्षियों की बात समझी जाए, अदल से चलने वाली सल्तनत, और एक चींटी जो मख़लूक़ की अज़मत और तदबीर की बारीकी याद दिलाती है।

ये चिंतन नेमत पर शुक्र, ताक़त के साथ इंक्सारी, और हिकमत व नर्मी से बिल्कीस को ईमान की दावत पर ग़ौर करते हैं।

अमली पैग़ाम यह है कि बे-शुक्री की ताक़त ख़तरनाक है, और सही क़ियादत इल्म, रहमत और ज़िम्मेदारी को एक करती है।

Generated from the localized educational narrative. Arabic remains the original authored PDF. · an-naml · hi